Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

न, 9.5 फीट ऊंची शिवाजी महाराज... 12

प्रदेश की तस्वीर बदलने का काम करेंगे मतदाता... 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 144
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

लखनऊ | सोमवार | 07 मार्च, 2022

'किसान धनिया बीज फसल काटने की करें उचित व्यवस्था'

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव सचान एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पीके सिंह ने संयुक्त रुप से धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

उन्होंने बताया कि किसानों को सलाह दी जाती है कि यदि धनिया की फसल बीज के उद्देश्य से बोई गई है, तो दाने पूरी तरह पक जाने पर ही काटना चाहिए। यदि हरी अवस्था में काट लेंगे तो अंकुरण प्रतिशत प्रभावित हो सकता है। साथ ही किसानों को सलाह दी है कि यदि धनिया पाउडर बनाने के लिए बाजार में अच्छा भाव मिलता है तो कटाई की सही अवस्था पहचानना आवश्यक है।

डॉ. सचान ने बताया कि जिस समय दाने का रंग तोते जैसा हरा हो उसी अवस्था में खुशबू भी अधिक होती है। इसलिए दाने का रंग हरे से पीले में बदलना आरम्भ हो उसी समय तैयार पौधों की कटाई कर लें। इस प्रकार दो से तीन बार में पूरे खेत की कटाई संपन्न करें। दाने पकने का इंतजार नहीं करना चाहिए। अन्यथा पिसे हुए पाउडर का रंग गहरा भूरा और खुशबू भी शेष नहीं बचती है। उन्होंने बताया कि धनिया की फसल किस्म, स्थानीय मौसम, बुवाई के समय व सिंचाई की अवस्था के अनुसार 90 से 135 दिन में पक कर तैयार हो जाती है। मुख्य छत्रकों पर जैसे ही दाने परिपक्व होने लगे कटाई कर लेनी चाहिए। उन्होंने बताया की कटे हुए पौधों के बंडल बनाकर उल्टा रखें। उन्हें सीधे धूप न लगने दें।

बीच-बीच में बंडलों को पलटते रहे। यदि नमी रह जाएगी तो दाने सड़ जाएंगे। सूखे पौधों को हल्का कूटकर दाने अलग कर लें और ओसाई करके बोरियों में भरकर नमी रहित गोदाम में भंडारित करें। इस प्रकार किसान भाई धनिया फसल से अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर 07/03/2022

कृषि एडवाइजरी : दाने पकने पर ही काटें धनिया की फसल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव सचान व विभागाध्यक्ष डॉ. पीके सिंह ने धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने

सीएसए के सब्जी अनुभाग के वैज्ञानिकों ने जारी की किसानों के लिये एडवाइजरी

धनिया की फसल किस्म, स्थानीय मौसम, बुवाई के समय व सिंचाई की अवस्था के अनुसार 90 से 135 दिन में पक कर हो जाती है तैयार

सलाह दी है कि यदि धनिया की फसल बीज के उद्देश्य से बोई गई है तो दाने पूरी तरह पक जाने पर ही काटना चाहिए। यदि हरी अवस्था में काट लेंगे तो अंकुरण प्रतिशत प्रभावित हो सकता है।

अपनी एडवाइजरी में उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि धनिया पाउडर बनाने के लिए बाजार में अच्छा भाव मिलता है तो कटाई की सही अवस्था पहचानना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिस समय दाने का रंग तोते जैसा हरा हो उसी अवस्था में खुशबू भी अधिक होती है, इसलिए दाने का रंग हरे से पीले में बदलना आरंभ हो उसी समय तैयार पौधों की कटाई कर लें। इस प्रकार दो से तीन बार में पूरे खेत की कटाई प्रक्रिया संपन्न करें। दाने पकने का इंतजार नहीं करना चाहिए अन्यथा पिसे हुए पाउडर का रंग गहरा भूरा और खुशबू भी शेष नहीं बचती है।

डॉ. सचान ने बताया कि धनिया की फसल किस्म, स्थानीय मौसम, बुवाई के समय व सिंचाई की अवस्था के अनुसार 90 से 135 दिन में पक कर तैयार हो जाती है। मुख्य छत्रकों पर जैसे ही दाने परिपक्व होने लगें कटाई कर लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कटे हुए पौधों के बंडल बनाकर उल्टा रखें। उन्हें सीधे धूप न लगने दें। बीच-बीच में बंडलों को पलटते रहें। यदि नमी रह जाएगी तो दाने सड़ जाएंगे। सूखे पौधों को हल्का कूटकर दाने अलग कर लें और ओसाई करके बोरियों में भरकर नमी रहित गोदाम में भंडारित करें। इस प्रकार किसान भाई धनिया फसल से अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सीएसए में धनिया की फसल के बारे में जानकारी देते वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान। फोटो : एसएनबी

Sign in to edit and save changes to this file.

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

सोमवार, 07 मार्च, 2022 लखनऊ से प्रकाशित वर्ष : 08,

धनिया उत्पादक किसानों के लिए जारी की एडवाइजरी

कानपुर। सीएसए के सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान एवं विभागाध्यक्ष डॉ पी के सिंह ने संयुक्त रुप से धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि धनिया की फसल बीज के उद्देश्य से बोई गई है। तो दाने पूरी तरह पक जाने पर ही काटना चाहिए। यदि हरी अवस्था में काट लेंगे तो अंकुरण प्रतिशत प्रभावित हो सकता है। साथ ही उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि धनिया पाउडर बनाने के लिए बाजार में अच्छा भाव मिलता है तो कटाई की सही अवस्था पहचानना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिस समय दाने का रंग तोते जैसा हरा हो उसी अवस्था में खुशबू भी अधिक होती है इसलिए दाने का रंग हरे से पीले में बदलना आरंभ हो उसी समय तैयार पौधों की कटाई कर लें।इस प्रकार दो से तीन बार में पूरे खेत की संपन्न करें। दाने पकने का इंतजार नहीं करना चाहिए। अन्यथा पिसे हुए पाउडर का रंग गहरा भूरा और खुशबू भी शेष नहीं बचती है। डॉ सचान ने बताया कि धनिया की फसल किस्म, स्थानीय मौसम,बुवाई के समय व सिंचाई की अवस्था के अनुसार 90 से 135 दिन में पक कर तैयार हो जाती है। मुख्य छत्रको पर जैसे ही दाने परिपक्व होने लगे कटाई कर लेनी चाहिए। उन्होंने बताया की कटे हुए पौधों के बंडल बनाकर उल्टा रखें। उन्हें सीधे धूप न लगने दें। बीच-बीच में बंडलों को पलटते रहे। यदि नमी रह जाएगी रह जाएगी तो दाने सड़ जाएंगे।सूखे पौधों को हल्का कूटकर दाने अलग कर लें और ओसाई करके बोरियों में भरकर नमी रहित गोदाम में भंडारित करें। इस प्रकार किसान भाई धनिया फसल से अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

वर्ष 16 अंक 65 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, सोमवार 07 मार्च 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com पेज -8

भारत ने श्रीलंका को पहले टेस्ट में पारी और 222 रन

पूरी तरह पकने के बाद काटे धनिया की फसल : डॉक्टर संजीव सचान

कानपुर (नगर छाया समाचार) चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान एवं विभागाध्यक्ष डॉ पी के सिंह ने संयुक्त रुप से धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि धनिया की फसल बीज के उद्देश्य से बोई गई है। तो दाने पूरी तरह पक जाने पर ही काटना चाहिए। यदि हरी अवस्था में काट लेंगे तो अंकुरण प्रतिशत प्रभावित हो सकता है। साथ ही उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि धनिया पाउडर बनाने के लिए बाजार में अच्छा भाव मिलता है तो कटाई की सही अवस्था पहचानना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिस समय दाने का रंग तोते जैसा हरा हो उसी अवस्था में खुशबू भी अधिक होती है इसलिए दाने का रंग हरे से पीले में बदलना आरंभ हो उसी समय तैयार पौधों की कटाई कर लें।इस प्रकार दो से तीन बार में पूरे खेत की संपन्न करें। दाने पकने का इंतजार नहीं करना चाहिए। अन्यथा पिसे हुए पाउडर का रंग गहरा भूरा और खुशबू भी शेष नहीं बचती है। डॉ सचान ने बताया कि धनिया की फसल किस्म, स्थानीय मौसम,बुवाई के समय व सिंचाई की अवस्था के अनुसार 90 से 135 दिन में पक कर तैयार हो जाती है। मुख्य छत्रको पर जैसे ही दाने परिपक्व होने लगे कटाई कर लेनी चाहिए। उन्होंने बताया की कटे हुए पौधों के बंडल बनाकर उल्टा रखें। उन्हें सीधे धूप न लगने दें। बीच-बीच में बंडलों को पलटते रहे। यदि नमी रह जाएगी रह जाएगी तो दाने सड़ जाएंगे।सूखे पौधों को हल्का कूटकर दाने अलग कर लें और ओसाई करके बोरियों में भरकर नमी रहित गोदाम में भंडारित करें। इस प्रकार किसान भाई धनिया फसल से अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सूर्योदय 06.26 | सूर्यास्त 18.09
अधिकतम 31.8° | न्यूनतम 13.8°
सोना ₹ 52,950
चांदी ₹ 70,000

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 13 अंक: 244 कानपुर, सोमवार 07 मार्च, 2022 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

www.rashtriyaswaroop.in

जडेजा का पंजा, श्रीलंका को करना पड़ा फॉलोआन 10

धनिया उत्पादक किसानों के लिए जारी की एडवाइजरी

कानपुर । सीएसए के सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान एवं विभागाध्यक्ष डॉ पी के सिंह ने संयुक्त रुप से धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि धनिया की फसल बीज के उद्देश्य से बोई गई है। तो दाने पूरी तरह पक जाने पर ही काटना चाहिए। यदि हरी अवस्था में काट लेंगे तो अंकुरण प्रतिशत प्रभावित हो सकता है। साथ ही उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि धनिया पाउडर बनाने के लिए बाजार में अच्छा भाव मिलता है तो कटाई की सही अवस्था पहचानना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिस समय दाने का रंग तोते जैसा हरा हो उसी अवस्था में खुशबू भी अधिक होती है इसलिए दाने का रंग हरे से पीले में बदलना आरंभ हो उसी समय तैयार पौधों की कटाई

कर लें इस प्रकार दो से तीन बार में पूरे खेत की संपन्न करें। दाने पकने का इंतजार नहीं करना चाहिए। अन्यथा पिसे हुए पाउडर का रंग गहरा भूरा और खुशबू भी शेष नहीं बचती है। डॉ सचान ने बताया कि धनिया की फसल किस्म, स्थानीय मौसम,बुवाई के समय व सिंचाई की अवस्था के अनुसार 90 से 135 दिन में पक कर तैयार हो जाती है। मुख्य छत्रको पर जैसे ही दाने परिपक्व होने लगे कटाई कर लेनी चाहिए। उन्होंने बताया की कटे हुए पौधों के बंडल बनाकर उल्टा रखें। उन्हें सीधे धूप न लगने दें। बीच-बीच में बंडलों को पलटते रहे। यदि नमी रह जाएगी रह जाएगी तो दाने सड़ जाएंगे।सूखे पौधों को हल्का कूटकर दाने अलग कर लें और ओसाई करके बोरियों में भरकर नमी रहित गोदाम में भंडारित करें। इस प्रकार किसान भाई धनिया फसल से अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।